डीएवीवी की पहल • ट्राइबल बेल्ट के स्टूडेंट्स को नौकरियां दिलाने काउंसलिंग सेंटर लगेंगे

पहली बार झाबुआ में कैंपस प्लेसमेंट के लिए पहुंचेंगी मल्टीनेशनल कंपनियां, मिलेगी नौकरी

अभिषेक वर्मा | इंदौर

आदिवासी व ग्रामीण क्षेत्र के डिग्रीधारी छात्र-छात्राओं को अब नौकरी पाने के लिए भटकना नहीं होगा। इन्हें प्लेसमेंट दिलाने के लिए इसी सत्र से झाबुआ में कैंपस प्लेसमेंट की शुरुआत होगी। कंपनियों के चर्चा के बाद यूनिवर्सिटी यहां काउंसलिंग सेंटर शुरू करने जा रही है। इसमें रजिस्ट्रेशन कराने वाले स्टूडेंट्स को प्लेसमेंट की बारीकियां सिखाने के साथ ही उनकी सॉफ्ट स्किल सुधारने के लिए भी काम किया जाएगा।

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी के विभागों व संबद्ध कॉलेजों में प्लेसमेंट बढ़ाने के लिए कुलपति प्रो. राकेश सिंघई व सेंट्रल प्लेसमेंट सेल के सदस्यों ने टीसीएस, इन्फोसिस, आयशर सहित कई कंपनियों के प्रतिनिधियों से चर्चा की है। यूनिवर्सिटी प्रबंधन ने शहरी क्षेत्र के साथ ही पिछड़े इलाकों में संचालित कॉलेजों के योग्य युवाओं को भी प्लेसमेंट में शामिल किए जाने का प्रस्ताव रखा।

कंपनियों को प्रेजेंटेशन में बताया गया कि यहां के कॉलेजों का रिजल्ट अच्छा होने के बावजूद ग्रेजुएट्स को योग्यता के अनुरूप नौकरियां नहीं मिल पाती हैं। इस पर कुछ कंपनियों में ट्राइबल बेल्ट झाबुआ के लिए स्पेशल ड्राइव करने की सहमति प्रदान कर दी। ये कंपनियां दिसंबर से फरवरी के बीच कैंपस प्लेसमेंट के लिए झाबुआ के कॉलेजों में पहुंचेंगी।

कम्युनिकेशन सुधारें तो और अच्छे मौके मिलेंगे

कंपनियों में ऑन गोइंग प्रोजेक्ट्स में ट्राइबल बेल्ट के ग्रेजुएट्स को नौकरियों पर रखने की हामी भरी है। कंपनियों ने कहा कि स्टूडेंट्स को पढ़ाई के साथ-साथ अपनी सॉफ्ट स्किल्स पर भी ध्यान देना होगा। इस कमजोरी को दूर करने के लिए यूनिवर्सिटी ने एक्सपर्ट्स से ट्रेनिंग दिलाने की बात कही है। कम्युनिकेशन स्किल सुधारने के साथ ही सालभर पर्सनालिटी डेवलपमेंट पर भी काम किया जाएगा।

चयनित छात्रों को मिलेगा 4 से 10 लाख तक का पैकेज

युवाओं के लिए सम्मानजनक नौकरी के साथ अच्छा पैकेज भी सुनिश्चित करने के लिए गाइडलाइन बनाई जा रही है। सेंट्रल प्लेसमेंट सेल यह सुनिश्चित करेगी कि किसी भी स्थिति में सालाना पैकेज 4 लाख से कम न हो। ज्यादातर कंपनियों ने न्यूनतम पैकेज 4 से 5 लाख रुपए से लेकर 10 लाख रुपए तक के पैकेज देने की बात कही है।

काउंसलिंग सेंटर शुरू कर रहे हैं

झाबुआ जैसे आदिवासी क्षेत्र के बच्चों के लिए कंपनियों ने स्पेशल प्लेसमेंट ड्राइव चलाने की सहमति दी है। यहां से ज्यादा से ज्यादा बच्चों को अच्छी नौकरियां मिलें, इसलिए काउंसलिंग सेंटर शुरू कर रहे हैं। डीएवीवी की प्लेसमेंट सेल के सहयोग से यहां एक्सपर्ट्स के ट्रेनिंग सेशन रखे जाएंगे।

– डॉ.राकेश सिंघई, कुलपति, डीएवीवी